ड कानपुर की सोनाक्षी साइंस में नेशनल टॉपर

CBSE 12वीं में 85.20% स्टूडेंट्स पास, तिरुवनंतपुरम रीजन टॉप

पिछले साल की तुलना 3.19% कम स्टूडेंट्स हुए पास, पिछले वर्ष 88.39% था आंकड़ा

newsroom@inext.co.in

सीबीएसई ने बुधवार को 12वीं बोर्ड परीक्षा 2026 का रिजल्ट एनाउंस कर दिया. एक बार फिर कानपुर के स्टूडेंट पूरे देश में छा गए. पदमपत सिंहानिया एजूकेशन सेंटर ने अपनी स्टूडेंट सोनाक्षी गोयल के साइंस स्ट्रीम में नेशनल टॉपर होने का दावा किया. वहीं रांची की भव्या रंजन 99.8 % मार्क्स लाकर 12वीं आर्ट्स स्ट्रीम में नेशनल टॉपर बनी हैं. भव्या को इंग्लिश कोर में 100, हिस्ट्री में 100, पॉलिटिकल

साइंस में 100, इकोनॉमिक्स में 99, पेंटिंग में 100 और फिजिकल एजुकेशन में 96 मार्क्स मिले हैं. वहीं गया की माही कुमारी ने 99.8 % लाकर देश के टॉप स्कोरर्स में अपना स्थान बनाया है. माही के पिता कपड़े की छोटी सी दुकान चलाते हैं. SEE PG-4-5

1. 88.86% के साथ छात्राओं ने फिर मारी बाजी, 82.13% छात्र हुए पास
2. वर्ष 2021 में 99.37 % रहा था परिणाम, 95 % अंक लाने वालों की संख्या भी घटी
3. ट्रांसजेंडर विद्यार्थियों ने 100 % परिणाम के साथ शत-% सफलता हासिल की

किस वर्ष कितने स्टूडेंट्स हुए पास(%)

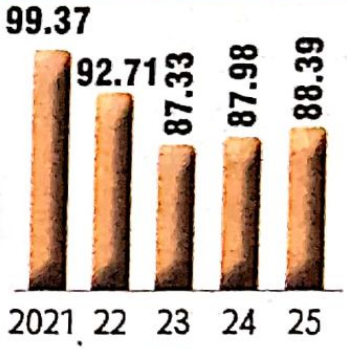

15 जुलाई को कंपार्टमेंट परीक्षा

इस बार रिजल्ट में गिरावट

इस बार रिजल्ट में 3.19% की गिरावट दर्ज की गई है. यह पिछले छह वर्षों का सबसे कम परिणाम रहा है. वर्ष 2021 में कोरोना महामारी के दौरान विशेष मूल्यांकन नीति लागू होने के कारण 99.37% स्टूडेंट्स उत्तीर्ण हुए थे. इस बार 95 % से अधिक अंक लाने वाले छात्रों की संख्या में भी गिरावट दर्ज की गई है.

.ac.in | www.kit.ac.in

B. PHARM D. PHARM

Round-4 END DATE
31st May 2026

PICS: DAINIK JAGRAN | NEXT

सर पदमपत एजूकेशन सेंटर

शानदार सफलता पाकर खिले चेहरे और हवा में खुशी से उछल पड़े स्टूडेंट्स.

ये हैं इंटरमीडिएट के टॉपर्स

सोनाक्षी गोयल

अनुष्का दीक्षित

ये हैं इंटरमीडिए

सोनाक्षी गोयल

99.60%

1st सर पदमपत सिंहानिया स्कूल

नेशनल टॉपर (1st)

अक्षरा सिंह

DREAM COMES TRUE

सर पदमपत की सोनाक्षी गोयल 99.60 परसेंट मार्क्स के साथ बनीं नेशनल टॉपर

kanpur@inext.co.in

KANPUR (13 May): आईएससी रिजल्ट में नेशनल टॉपर देने वाले कानपुर ने सीबीएसई नतीजों में भी पूरे देश में अपनी चमक बिखेरी है. वेडनेसडे को जारी रिजल्ट में सर पदमपत सिंहानिया एजूकेशन सेंटर की स्टूडेंट सोनाक्षी गोयल 99.60 परसेंट मार्क्स हासिल कर 12वीं में नेशनल टॉपर बनी हैं. साइंस (बायो) स्ट्रीम की स्टूडेंट सोनाक्षी ने पांच में से चार सब्जेक्ट में 100 परसेंट मार्क्स सिक्योर किए हैं. वह डॉक्टर बनना चाहती हैं लेकिन नीट का पेपर लीक होने और फिर एग्जाम कैंसिल होने से वो बेहद नाराज हैं. उन्होंने भी नीट का एग्जाम दिया था और सेलेक्शन की भी पूरी उम्मीद थी. री-एग्जाम के लिए उन्होंने फिर से तैयारी शुरू कर दी है.

घर से स्कूल तक सेलिब्रेशन

सीबीएसई ने 14 मई से पहले रिजल्ट जारी करने की घोषणा कर दी थी. वेडनेसडे दोपहर जैसे ही रिजल्ट आया तो स्टूडेंट्स की धड़कनें तेज हो गईं लेकिन रिजल्ट देखने के बाद चेहरों पर मुस्कान छा गई. घर से लेकर स्कूल तक सेलिब्रेशन शुरू हो गया. स्कूलों में टॉपर्स का माला पहनाकर और मिठाई खिलाकर वेलकम किया गया.

नहीं जारी की मेरिट लिस्ट

बोर्ड ने 13 मई को नतीजे जारी किए. संयोगवश, पिछले साल भी इसी तारीख को रिजल्ट आया था. इस बार सीबीएसई ने आंसरशीट के इवैल्वुएशन के लिए ऑनस्क्रीन मार्किंग सिस्टम (लैपटॉप/टैब से चेकिंग) का यूज किया. 17 फरवरी से 10 अप्रैल तक चले एग्जाम में कानपुर से 13,500 स्टूडेंट शामिल हुए थे. बोर्ड ने अपनी ओर से कोई टॉपर या मेरिट लिस्ट ज़ारी नहीं की है लेकिन परसेंटेज और मार्क्स के मुताबिक, स्कूलों ने अपनी-अपनी ओर से दावे पेश किए हैं.

स्टूडेंट्स ने इस अंदाज में मनाया सफलता का जश्न.

13,500
स्टूडेंट एग्जाम में एपियर

86.21%
स्टूडेंट हुए पास

11,638
से ज्यादा स्टूडेंट पास

ऑन-स्क्रीन मार्किंग सिस्टम से सैटिसफाई नहीं है स्टूडेंट्स

KANPUR. सीबीएसई ने इस वर्ष पहली बार 12वीं की आंसरकॉपी की ऑन-स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) सिस्टम लागू किया है. बोर्ड का लक्ष्य मार्किंग प्रोसेस को और अधिक ट्रांसपेरेंट, तेज और एररलेस बनाना था, नई व्यवस्था लागू करने के शुरूआती चरण में कई टेक्निकल प्रॉब्लम और व्यवहारिक समस्याएं सामने आईं. जिसका सीधा असर स्टूडेंट्स के मार्क्स पर पड़ा. स्पेशली साइंस स्ट्रीम के स्टूडेंट्स को कम मार्क्स मिले.

पहला एक्सीपीरियंस

शहर में सीबीएसई बोर्ड की एजुकेशन देने वाले टीचर्स ने बताया कि ऑन-स्क्रीन मार्किंग का ये पहला अनुभव था. इस दौरान आंसरकॉपीज के कई पेज सही तरीके से स्कैन नहीं हो पाए. कॉपीज के कुछ पन्ने धुंधले दिखाई दिए तो कई जगह लिखावट स्पष्ट नहीं थी. ऐसे में एग्जामिनर को आंसर का सही मूल्यांकन करने में परेशानी हुई. कई मामलों में एग्जामनर्स ने संबंधित कॉपियों पर रिमार्क लगाकर दोबारा जांच के लिए भेजा. इससे मूल्यांकन प्रक्रिया प्रभावित हुई और परिणामों की गुणवत्ता पर भी सवाल खड़े हो गए.

टेक्निकली साउंड होने पर ही लागू हो ऑन स्क्रीन मार्किंग

टीचर्स ने सीबीएसई की ऑन-स्क्रीन मार्किंग सिस्टम को अभी उतना कारगर नहीं बताया है. शहर के विभिन्न स्कूलों के टीचर्स ने कहा कि कोई भी सिस्टम हो जब स्टूडेंट्स के करियर से सवाल जुड़ा हो तो उसे पूरी तरह साउंड होने पर ही उसे लागू किया जाए.

पीसीएम में कम रहे मार्क्स

साइंस स्ट्रीम के टीचर्स के अनुसार इस बार फिजिक्स, केमिस्ट्री और मैथमैटिक्स सब्जेक्ट्स में स्टूडेंट्स के मार्क्स अपेक्षा से कम आए हैं. कई मेधावी भी अच्छे मार्क्स गेन नहीं कर पाए. जिससे उनमें निराशा का माहौल हो गया है.

फिजिक्स और मैथ्स ने बिगाड़ा अंकगणित

KANPUR. सीबीएसई 12वीं के रिजल्ट में स्टूडेंट्स पर नंबर तो खूब बरसे लेकिन मैथ्स और फिजिक्स के टफ पेपर ने स्कॉलर स्टूडेंट्स का अंकगणित बिगाड़ दिया. बीते सालों की तुलना में इस बार मैथ्स और फिजिक्स में नंबर कम रह गए. टीचर्स और प्रिंसिपल ने स्टूडेंट्स के मार्क्स का एनालिसिस किया तो यह बात सामने आई. रुझानों के अनुसार 12 वीं में 95 प्रतिशत मार्क्स पाने वाले स्टूडेंट्स की संख्या लगातार बढ़ रही है.

इकनॉमिक्स में अच्छा प्रदर्शन

डीपीएस कल्याणपुर की प्रिंसिपल डॉ. ऋचा प्रकाश ने बताया कि साइंस ग्रुप में फिजिक्स, मैथ्स जबकि

कॉमर्स ग्रुप में अकाउंट्स, ह्यूमैनिटीज में मनोविज्ञान सब्जेक्ट तुलनात्मक रूप से कुछ टफ रहे. हिस्ट्री, पॉलिटिकल साइंस और इकनॉमिक्स में भी स्टूडेंट्स का प्रदर्शन अच्छा रहा. मैथमैटिक्स का पेपर भी थोड़ा टफ आया था. फिजिक्स के न्यूमेरिकल्स में बच्चों को थोड़ी परेशानी जरूर हुई.

न्यूमेरिकल पार्ट रहा टफ

सनातन धर्म एजुकेशन सेंटर कौशलपुरी की प्रिंसिपल डॉ. स्मिता त्रिवेदी ने बताया कि सीबीएसई लगातार

पेपर्स में बदलाव कर रहा है. बच्चों को बुकवार्म स्टडी के बजाए प्रैक्टिकल बेस स्टडी पर फोकस करते हुए पेपर डिजाइन किए जा रहे हैं. इस बार फिजिक्स के एग्जाम में काफी प्रयोग देखने को मिले. बच्चों के लिए ये एक्सपीरियंस थोड़ा टफ रहा. बच्चों को न्यूमेरिकल प्रॉब्लम्स में परेशानी हुई.

सक्सेस के दो ही सीक्रेट, रिवीजन एंड प्रैक्टिस

kanpur@inext.co.in

KANPUR (13 May): किसी स्टूडेंट के टॉपर बनने पर जो खुशी उसे और उसके घरवालों को मिलती है वो शब्दों में बयां नहीं की जा सकती है. इन्हें सिर्फ महसूस किया जा सकता है. स्कूल, घर, परिवार, रिश्तेदार से लेकर पड़ोसियों तक में सिर्फ उसकी ही चर्चा होती है. लेकिन, लाखों बच्चों के बीच इतने बड़े देश में टॉपर बनने की कहानी यूं ही नहीं लिखी जाती है. इसके पीछे क्लियर विजन, हर वक्त लक्ष्य पर निगाहें, जबरदस्त स्ट्रेटजी, कड़ी मेहनत और सिर्फ किताबों से ही दोस्ती करनी पड़ती है. छोटे मोटे सेलिब्रेशन यहां तक कि फैमिली फंक्शन से भी दूरी बनानी पड़ती है. तक कहीं टॉपर्स की लिस्ट में नाम शुमार होता है. सीबीएसई 12वीं की नेशनल टॉपर बनी सोनाक्षी गोयल से आईनेक्स्ट ने उनकी सक्सेस स्टोरी के सीक्रेट्स जानने की कोशिश की तो ऐसी ही कहानी सामने आई.

सर पदमपद सिंहानिया स्कूल में टॉपर स्टूडेंट्स ने टीचर्स के साथ केक काटकर सफलता का जश्न मनाया.

> नेशनल टॉपर बनने के बारे में सोचा नहीं था, लेकिन मेहनत बहुत की थी. ये उसी का रिजल्ट है. जब खुद पर विश्वास रखोगे तभी उसे साबित भी कर सकोगे.
>
> सोनाक्षी गोयल

शेड्यूल बनाकर किया फॉलो

सोनाक्षी कहती हैं कि दो साल तक किताबों को ही अपनी दुनिया मानकर स्टडी की. सबसे पहले तो एक शेड्यूल बनाया और दिन के हर घंटे को तय कर दिया कि कब क्या करना है? उसी शेड्यूल को फॉलो किया. वहीं किसी भी सब्जेक्ट में परफेक्शन के लिए जरूरी है प्रैक्टिस और रिवीजन. सक्सेस के सही दो सबसे बड़े मंत्र हैं. मेरी इस सफलता के पीछे भी यही दो मंत्र हैं. साथ ही पेरेंट्स का मोटिवेशन और टीचर्स का हर वक्त सहयोग और खुद पर विश्वास बनाए रखना भी बेहद अहम है. जब खुद पर विश्वास रखोगे तभी उसे साबित भी कर सकोगे. बस मैं तो पढ़ाई करती गई. नेशनल टॉपर बनने के बारे में सोचा तो नहीं था, लेकिन मेहनत तो बहुत की थी. ये उसी का रिजल्ट है.

स्ट्रक्चरल वे में की पढ़ाई

सोनाक्षी ने आइनेक्स्ट से बातचीत के दौरान हाई स्कूल से इंटरमीडिएट में नेशनल टॉपर बनने का अनुभव साझा करते हुए बताया कि हाई स्कूल में 97.8 परसेंट मार्क्स आए थे. तभी ये ठान लिया था कि इंटरमीडिएट में बची कसर को पूरा करना है. वह बताती हैं कि स्टडी के लिए बहुत कुछ खास प्रयास नहीं किया. केवल स्ट्रक्चरल तरीके से शेड्यूल बनाकर पढ़ाई की. कितना भी जरूरी कोई काम या फंक्शन क्यों न हो. सिर्फ पढाई पर ही फोकस किया. यह उसी का नतीजा है.

ऑनलाइन स्टडी को किया अवॉयड

ऑनलाइन स्टडी के चलते ट्रेंड के बीच सोनाक्षी ने ऑफलाइन स्टडी को ही महत्व दिया. वह बताती हैं कि एकेडमिक्स की स्टडी के लिए स्कूल में टीचर्स द्वारा पढ़ाया गया सिलेबस ही इम्पोर्टेंट है. उन्होंने बस स्कूल के टीचर्स के डायरेक्शन को फॉलो किया. इंटरमीडिएट की स्टडी के लिए कोई स्पेशल कोचिंग नहीं ली. जो स्कूल में पढ़ाया गया, बस उसे ही फॉलो किया और घर जाकर कई बार रिवीजन किया. रेगुलर रिवीजन ही सक्सेस की वजह रहा. वह बताती हैं कि बीते दो साल से घर-परिवार में होने वाले फंक्शंस को भी उन्होंने वरीयता नहीं दी. दो साल तक सिर्फ स्टडी पर ही फोकस रहा. इसी का नतीजा रहा है कि उन्हें इतने हाइएस्ट मार्क्स आए हैं.

कार्डियोलॉजिस्ट बनना है लक्ष्य

सोनाक्षी ने बताया कि उनका टारगेट नीट क्वालीफाई कर कार्डियोलॉजिस्ट बनने का है. शुरूआत से ही उनका डॉक्टर बनने की तरफ रुझान है. डॉक्टर बनकर वह लोगों की मदद करना चाहती हैं. इसी दिशा में कदम बढ़ाते हुए नीट का भी एग्जाम दिया था. नीट के रद होने पर सोनाक्षी ने दुःख के साथ गुस्सा भी जताया. उन्होंने कहा कि एग्जाम के साथ नीट की प्रिपरेशन भी की थी. उम्मीद थी कि सेलेक्शन के साथ अच्छा मेडिकल कॉलेज भी मिल जाएगा. रिजल्ट आने का इंतजार था, लेकिन दो दिन पहले पता चला कि पेपर ही कैंसिल कर दिया गया है. सोनीक्षा कहती हैं कि एग्जाम ऑर्गनाइज करने वाली संस्था यानि एनटीए का यह टोटल फेलियर है. उन्होंने कहा कि पेपर लीक करने जैसा अपराध करने वालों पर कठोर से कठोर कार्रवाई हो.

सोशल मीडिया से बनाए रखी दूरी

टॉपर सोनाक्षी के मुताबिक, इंटरमीडिएट की पढ़ाई पूरी होने तक सोशल मीडिया का यूज नहीं किया. वह बताती हैं कि पूरे दिन का का शेड्यूल डिसाइड था. कब कौन सा सब्जेक्ट पढ़ना है, कब रिवीजन करना है? सब कुछ शेड्यूल के मुताबिक ही किया. कभी किसी टॉपिक पर कंफ्यूजन या कुछ डाउट हुआ तो यू-ट्यूब से स्टडी के लिए कुछ वीडियोज देखे. बाकी पूरा फॉकस ऑफलाइन ही रहा. सोनाक्षी ने कहा कि सोशल मीडिया का यूज करना टाइम किलिंग करना है. आप माइंड फ्रेश करने के लिए कुछ और भी कर सकते हो.

पिता का अधूरा सपना करेगी पूरा

सर्वोदय नगर निवासी सोनाक्षी के पिता गौतम गोयल पेशे से एक चार्टर्ड अकाउंटेंट हैं. सोनाक्षी ने बताया कि डॉक्टर बनना उनके पिता का सपना था. लेकिन, उस समय की स्थितियां ऐसी बनीं कि पिता का यह सपना पूरा नहीं हो सका और वो सीए बन गए. जिसके बाद वो अपना अधूरा सपना मुझे डॉक्टर बनाकर पूरा करना चाहते हैं. मेरी भी बचपने से डाक्टर बनने की ख्वाहिश है. मैं पिता का संपना जरूर पूरा करूंगी. सोनाक्षी ने बताया कि मां शैफाली ने हर समय सहयोग किया. इसके आलावा स्कूल के टीचर का भी गाइडेंस रहा है. उन्होंने बताया कि अगर आप चाह लें तो आपको आगे बढ़ने से कोई भी रोक सकता है. सफल होने के लिए शेड्यूल बढ़ाकर पढ़ाई करना बहुत इंपॉर्टेंट है.

सोनाक्षी से हुई खास बातचीत देखने के लिए क्यूआर कोड स्कैन करें.

किसी सब्जेक्ट को लाइटली नहीं लिया

आईएएस बनना चाहती हैं अनुष्का

पढ़ाई करना ही मेरा शौक है....

किसी सब्जेक्ट को लाइटली नहीं लिया

सर पदमपत सिंहानिया एजुकेशन सेंटर कमला नगर की 12वीं की स्टूडेंट अक्षरा सिंह ने ह्यूमैनिटीज सब्जेक्ट में 98.6 परसेंट मार्क्स के साथ टॉप किया. उन्होंने बतायां कि टाइम के बेहतर यूटिलाइजेशन और रिवीजन से ही उन्हें सफलता मिली. केशवपुरम निवासी अक्षरा स्कूल में फर्स्ट क्लास से ही स्टडी कर रही हैं. उन्होंने बताया कि सफलता पाने के लिए अलग से कुछ नहीं किया. सिर्फ टीचर्स के इंस्ट्रक्शन को फॉलो किया. स्कूल में जो कुछ भी पढ़ाया जाता उसे रिवाइज किया. स्ट्रैटिजी बनाकर सभी सब्जेक्ट्स को इक्वल टाइम दिया. वह कहती हैं कि सफलता पाने के लिए उन्होंने अपने ऊपर कोई रिस्ट्रिक्शंस नहीं लगाईं. एग्जाम्स से पहले 5 से 6 घंटे ही पढ़ाई की. वह क्लैट क्वालीफाई कर वकालत में नाम कमाना चाहती हैं. पिता अतुल सिंह व मां प्रतिभा सिंह ने भी उन्हें घर पर सहयोग किया.

पढ़ाई करना ही मेरा शौक है....

सर पदमपत सिंहानिया एजुकेशन सेंटर की गौरवी जायसवाल भी स्कूल की सेकेंड टॉपर रहीं. उन्होंने अक्षरा के साथ सेकेंड प्लेस साझा किया और 98.6 परसेंट मार्क्स सिक्योर किए. गौरवी ने कहा सफलता पाने के लिए पढ़ाई को एंज्वाय किया और रिवॉर्ड मिला. गौरवी ने बताया कि पढ़ना उनका शौक है. सफलता की कहानी में इसी शौक का काफी सहयोग रहा. वह कहती हैं कि स्कूल में जो कुछ भी पढ़ाया गया उसे ध्यान से पढ़ा. घर आकर रिवीजन किया. कुछ जानकारी के लिए यूट्यूब कभी-कभी देखी तो क़ॉन्सेप्ट और क्लियर हो गए. स्कूल में टीचर्स के गायडेंस से कभी परेशानी नहीं हुई. प्री-बोर्डस में भी टीचर्स ने हौसला बढ़ाया और रिजल्ट सबके सामने है. गौरवी बताती हैं कि उनका सपना लॉयर बनने का है. मां ज्योति रानी ने भी घर में उनकी काफी मदद की. गौरवी कहती हैं कि लॉयर एक ऐसा पेशा है जिसमें आपको हर दिन कुछ नया पढ़ने को मिलेगा.